Court Matter

आरक्षक पर प्राणघातक हमला करने वाले को हुयी पांच साल की सजा

न्यायसाक्षी@रायगढ। केलो डेम के पास होटल में पुलिस आरक्षक पर किये गये प्राणघातक हमले में आज फैसला आ गया और अरोपी को पांच साल सश्रम कारावास व 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम वर्ग शाहबुद्दीन कुरैशी द्वारा किया गया। बताया गया कि पांच माह पूर्व 5 नवम्बर 16 की, शाम 5.30 बजे आरक्षक मनोज सिदार अपने दोस्त रविशंकर सागर के साथ मोटर सायकल से घूमने गया था, जहाँ होटल में चाय पीने रुके तो वहां बाहर एक आदमी सोया पड़ा था। जिसे आरक्षक ने हिलाडुला कर उठाया तो वह नाराज हो गया और नींद खराब कर दिये, कहकर तैश में होटल से कुल्हाड़ी लाकर आरक्षक मनोज की गर्दन पर वार कर दिया, लेकिन उसके पीछे हट जाने से कुल्हाडीं का वार सिर में लगा ओर वह बेहोश हो कर गिर गया, खून निकलते देख आरोपी पैतराम चौहान वहां से भाग गया, आरक्षक के साथी रविशंकर ने पुलिस लाईन उर्दना आ कर घटना की जानकारी दी ओर परिजनों को सूचित किया, जिन्होंने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी जिस पर पुलिस ने अभियुक्त को पकड़कर उसके विरुद्ध भा.द.वि. की धारा 307 के तहत अदालत में चालान पेश किया सी.जे.एम न्यायालय में कमिट होने के बाद मामला सेशन ट्रायल में इस न्यायालय के विचारण के लिये आया, जिसमें आरोपी को सिध्दोष पाये जाने पर उक्तानुसार सजा सुनाई गयी।

14 साल की बालिका तीन दिन से लापता

न्यायसाक्षी@रायगढ। धरमजयगढ में रहने वाली 14 वर्षीय बालिका के 2 मई से लापता है, जिसकी रिपोर्ट बालिका की मां द्वारा कल थाना धरमजयगढ में दर्ज करायी गयी है। बुधवार को दोपहर बालिका घर से बस स्टैण्ड अपनी दादी को लेने जा रही हूं, कहकर निकली और वापस घर नहीं पहुंची, बालिका की मां ने बस स्टैण्ड जाकर बालिका की खोजबीन की और अपने रिश्तेदार, परिचित के यहां बालिका का पता लगाया। बालिका का कहीं पता नहीं चलने पर बालिका की मां द्वारा थाना धरमजयगढ में बालिका के गुम हो जाने की रिपोर्ट दर्ज करायी गयी रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध 363 भा.दं.वि. दर्ज कर खोज की जा रही है।

तीन जगह हुयी चोरी में लाखो का मॉल समेट चोर हुए फरार

न्यायसाक्षी@रायगढ। चक्रधरनगर के ग्राम सियारपाली के कृषक शेख अनवर हुसैन के घर कल दरम्यानी रात अज्ञात आरोपी द्वारा बाड़ी के रास्ते मकान में प्रवेश कर स्टोर रूम में रखा एक पुराना टीना का पेटी जिसमें एक नग सोने का हार, 1 नग सोने का झूमका, 2 जोड़ी चांदी का पायलए एक एक जोड़ी चांदी का कड़ा, छोटे 1 नग चांदी का गिलास, 1 नग कांस का गिलास एवं कुछ कपडे थे तथा बेडरूम से एक लावा कम्पनी का मोबाईल, एवं पर्स में रखे 4,500 रुपये रकम नगदी को चोरी कर ले गया है । रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध धारा 457,380 भा.दं.वि दर्ज कर लिया गया। दूसरी चोरी ग्राम धनागर कोतरारोड में रहने वाले शिव कुमार पटेल के घर हुयी, कल सुबह पिता ताला तोड़कर घर के आलमारी का लाकर खोलकर 14 नग सोने का फूली, 2 नग लाकेट, एक सोने की अंगुठी चोरी कर लेने की रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है, रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध 457, 380 भादवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया ।

दूसरी घटना में शिव कुमार की मां उसकी दीदी के ससुराल शादी में शामिल होने छुहीपाली गई हुई थी, पिताजी जिंदल काम पर गये हुये थे। घर पर शिकुमार अकेला था। सुबह करीब 9 बजे शिव कुमार घर में ताला लगाकर अपने दोस्त के यहां चला गया, करीब 11 बजे वापस आया तो घर के बाहर लगा ताला टूटा हुआ था, अंदर सामान बिखरा पडा था तथा आलमारी भी टूटी हुयी थी, जिसमें रखे जेवरात को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था, रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

तीसरी घटना जेएमएफसी न्यायालय खरसिया में भृत्य के पद पर कार्यरत छबिलाल सिदार से सम्बंधित है, जो जनपद कार्यालय के पीछे, शासकीय आवास के एक क्वाटर में पिछले दो वर्ष से परिवार सहित रहता है। दो मई की रात्रि 9 बजे छबिलाल सिदार अपने निवास में ताला लगाकर परिवार को लेने ग्राम औरदा गया था। दूसरे दिन की प्रातः 7.30 बजे उसके घर दूध देने, कान्ता निषाद आया तो, उसने देखा दरवाजा खुला ढका था, तब उसने वहां रहने वाले स्टाफ मनोज को बताया जिसके बाद मनोज ने फोन कर छबिलाल सिदार को चोरी होने की जानकारी दी, छबिलाल घर आकर देखा तो मकान का ताला तोड़कर मकान अंदर पूजा गृह के पास रखें एक जोडी सोने का झूमका, 5.6 ग्राम एक मंगलसूत्र सोने का ढाई से तीन मासा, एक एचएमटी पुराना घडी, बच्चों की चांदी की करधन, चूड़ा एपायल तथा एक गुल्लक जिसमें 5.10 रू का सिक्का जुमला 20,300 को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। घटना की रिपोर्ट पुलिस चौकी खरसिया में दर्ज कराने पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध 457,380 भा.दं.वि दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

अज्ञात बाइक की ठोकर से एक की मौत

न्यायसाक्षी@रायगढ। ग्राम केराझर थाना भूपदेवपुर निवासी चन्द्रभान राठिया उम्र 50 वर्ष दिशा मैदान के लिए गया था, वापस आते समय मेन रोड केराझर में करीब 09:00 बजे अज्ञात मोटर सायकल के चालक ने चन्द्रभान राठिया को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, आहत चन्द्रभान राठिया को ईलाज के लिये केजीएच रायगढ में भर्ती कराया गया, जहां ईलाज दौरान चन्द्रभान राठिया का निधन हो गया। मर्ग कायम किया जाकर जॉच जारी है।

खेल प्रशिक्षण शिविर 11 से 31 मई तक

न्यायसाक्षी@रायगढ। ग्रीष्मकालीन खेलों के आयोजन को लेकर स्टेडियम में हुई खेल संघों की बैठक में निर्णय लिया गया कि 11 मई से 31 मई तक खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिला मुख्यालय से लेकर अन्य विकासखंडों में भी यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस शिविर के आयोजन को लेकर रायगढ़ स्टेडियम में बैठक रखी गई थी।

ट्रेनें रहेंगी प्रभावित मेगा ब्लाक 9 से 15

न्यायसाक्षी@रायगढ। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत दुर्ग-राजनांदगांव खण्ड के दुर्ग-रसमरा रेलवे स्टेशनों के मध्य तीसरी लाईन परियोजना का कार्य किया जा रहा है। तीसरी लाईन को जोडने हेतु इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं इलैक्ट्रीकल कार्य के लिए ब्लॉक के द्वारा कार्य किए जायेंगे एवं इन कार्यो को करने के लिए यह ब्लॉक अत्यंत आवश्यक है। जिसके कारण 9 मई से 15 मई 2017 तक दुर्ग-रासमरा स्टेशनों के मध्य नॉन इन्टर लॉकिंग कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। उक्त तिथि में कुछ रेल यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

बोर चालू करने गए ग्रामीण को हाथी ने कुचला धरमजयगढ का मामला

न्यायसाक्षी@रायगढ। धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथियों का दल लगातार विचरण कर फसलों का नुकसान किया जा रहा है। जहां बीती रात एक खेत में दस हाथियों का दल पहुंच गया था, लेकिन जब यहां बोर चालू करने के लिए ग्रामीण पहुंचा, तो एक हाथी ने उस पर हमला कर दिया और अपने पैर से कुचल कर उसे मार दिया।

मारपीट के तीन मामलो में अपराध दर्ज

न्यायसाक्षी@रायगढ। पुलिस ने मारपीट की तीन घटनाओ में मामला दर्ज किया है पहली घटना चक्रधरनगर प्राचीविहार निवासी श्रीमति सहोद्रा चौहान के साथ हुयी, जिन्हें 1 मई को उनके भाई माखन साहू रूपये पैसे की लेनदेन को लेकर गाल पर थप्पड़ मारने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, मुलाहिजा रिपोर्ट पर आहिता के कान में आयी चोट को गंभीर होना लेख किया गया है, रिपोर्ट पर धारा 325 भा.द.वि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

दूसरा मामला थाना सरिया के ग्राम भीखमपुरा में रहने वाले ईश्वर यादव का है, थाना सरिया में रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है कि रात करीब 7 बजे घर पर था । उसी समय गांव के तेजराम बारीक के घर के पास इसके पिता छत्रमणी यादव से गांव के रोहित सिदार एवं चमेली सिदार पुरानी रंजीश की बात को लेकर झगड़ा कर रहे थे, जिसे देख ईश्वर बीच बचाव करने गया, तब रोहित सिदार तू बीच मे आने वाला कौन होता है, कहकर गाली गलौच कर चमेली सिदार के साथ मार पीट किया, रिपोर्ट पर धारा 294,506,323,34 भा.द.वि दर्ज कर लिया गया है।

तीसरी मारपीट बानीपाथर खरसिया की जानकी चौहान के साथ हुयी 3 मई को थाना खरसिया में रिपोर्ट दर्ज करायी कि मुहल्ले के अशोक सारथी, चैतन सारथी, किरण सारथी इसके पिता के साथ जमीन के संबंध में झगड़ा हो रहे थे, तब यह बीच बचाव करने गई, जहां ललिता सारथी जानकी चौहान के दाहिने हाथ के अंगूठी को पकड़ कर मरोड़ दी थी, आहिता का रिपोर्ट दर्ज कर महिला कर्मचारी के साथ आहिता को मुजाहिला के लिये सीएचसी खरसिया भेजा गया था, मुलाहिजा रिपोर्ट में फैक्चर होना लेख किये जाने पर धारा 325 भा.दं.वि दर्ज कर विवेचना में लिया गया ।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का ग्लेडन 9 से 25 तक

न्यायसाक्षी@रायगढ। समाजसेवी संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का ग्लेडन कार्यक्रम 9 मई से शुरू हुआ है। संस्था की विशेष पहल पर पूरे छत्तीसगढ में संभवतः यह पहला कार्यक्रम होगा, जिसमें परफेक्ट वुमेन को लेकर पूरा फोकस रहेगा। 9 से 25 मई तक रायगढ के विभिन्न होटलों सहित विभिन्न स्थानों पर ग्लेडन की धूम रहेगी। पिछले दिनों होटल अंश में आयोजित प्रेसवार्ता में संस्था की प्रांतीय अध्यक्ष रेखा महमिया ने बताया कि पूरे 17 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में थर्ड सीजन के विजेता मास्टर रिपुदमन हण्डा व शोभा इंदानी पहली बार रायगढ आ रहे हैं। इनके द्वारा महिलाओं को कुकिंग का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह कला एवं संगीत का बेहतर प्रदर्शन भी होगा।

विज्ञान समाचार Science News

अग्नि-3 मिसाइल का सफल परीक्षण

भारत ने देश में निर्मित सतह से हवा में मार करनेवाली मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का गुरूवार को ओड़िशा तट स्थित अब्दुल कलाम द्वीप से सफलतापूर्वक प्रयोगिक परीक्षण किया। मिसाइल 3000 किमी तक अपना लक्ष्य भेदने सक्षम इस मिसाइल का अब्दुल कलाम द्वीप के प्रक्षेपण परिसर संख्या तीन से सुबह नौ बजकर 12 मिनट पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया, इस द्वीप का नाम पहले व्हीलर द्वीप हुआ करता था। अग्नि-3 की क्षमता तीन हजार से अधिक दूरी तक मार करने की है जो डेढ़ टन तक पारंपरिक और परमाणु आयुध को ले जाने में पूरी तरह सक्षम है। इसकी लंबाई 16 मीटर और इसका वजन आठ टन है, इसमें द्विस्तरीय ईंधन भरे जाने की खासियत है और इसका पूरा व्यास 1.8 मीटर है, इस मिसाइल की पहुंच चीन तक है।

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

File Photo

भारतीय नौसेना के एक पोत से पहली बार जमीन पर मार करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय से जुड़े एक सूत्र ने बताया भारतीय नौसेना के एक टोही पोत से पहली बार जमीन पर मार करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया गया। सूत्र के मुताबिक भारतीय नौसेना ने अभी तक ब्रह्मोस के पोत रोधी संस्करण का ही परीक्षण किया था, इस परीक्षण से भारत इस क्षमता वाले कुछ चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है। भारतीय सेना में 2007 से ब्रह्मोस का जमीन पर मार करने वाला संस्करण संचालित है। ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता 290 किलोमीटर और गति 2.8 मैच है, इससे जमीन समुद्र और उपसमुद्र से समुद्री और जमीनी निशानों पर मार किया जा सकता है। भारत और रूस ने इसे संयुक्त रूप से तैयार किया है और इसे विश्व की एकमात्र ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल माना जा रहा है, इस मिसाइल को भारतीय नौसेना में 2005 में पहली बार शामिल किया गया था।

कहीं आपका बच्चा कुछ गलत तो नहीं देख रहा

अगर किसी बच्चे के पास कामुक तस्वीरें आती हैं या वह क्लिक करता है तो यह ऐप माता-पिता को सतर्क करेगा, इस ऐप का नाम गैलरी गार्डियन है, इससे बच्चों को बहकाने वाली तस्वीरों से बचाया जा सकता है। बच्चे अपने फोन में ऐसी तस्वीरों को सेव करेंगे तो यह ऐप माता-पिता के पास अलर्ट भेज देगा, यिपो टेक्नोलॉजी के संस्थापक डेनियल स्कोर्वोन्स्की ने कहा कि इस ऐप को समझना बहुत ही आसान है। अगर तस्वीर में कोई इंसान है तो वह पहले इसकी शिनाख्त करेगा, इसके बाद वह स्किन को देखेगा, अगर तस्वीर में ज़्यादा स्किन है तो वह इसकी गणना कर लेगा,और इस चीज़ की शिनाख्त कर लेगा कि तस्वीर संदिग्ध है, बीबीसी ने इस मामले ऐप को परखा कि क्या वाकई काम करता है, जांच में कई चीज़ें सामने आई, जैसे किसी-किसी तस्वीर को यह ऐप पकड़ नहीं पाया, कपड़ों वाली तस्वीरों को यह ऐप नहीं पकड़ पाया, हालांकि शरीर के कुछ हिस्सों को यह ऐप पकड़ने में कामयाब रहा, इसे लेकर डेनियल ने कहा कि ऐप का पूरा ज़ोर स्किन पर है। उन्होंने कहा कि ऐप गुप्तांगों की शिनाख्त आसानी से करेगा, डेनियल ने कहा कि गुप्तांगों के मामले में ऐप बिल्कुल माकूल है, इसमें इसकी गणना पूरी तरह से फिट बैठती है, बीबीसी ने इस ऐप के दावों के आधार पर 20 कामुक तस्वीरों का परीक्षण किया, इनमें से 12 तस्वीरों की शिनाख्त इस ऐप ने तत्काल किया, लेकिन आठ तस्वीरों की पहचान करने में यह नाकाम रहा, कंपनी का कहना है कि यह ऐप 96 फीसदी तस्वीरों की पहचान कर लेता है, हालांकि स्नैपचैट के ज़रिए भेजे जाने वाली तस्वीरों के मामले में यह ऐप बहुत माकूल नहीं है।

जी हॉ... आ गई है उड़ने वाली कार

अभी तक उड़ने वाली कारें साइंस फिक्शन का ही विषय हुआ करती थीं, दशकों तक वैज्ञानिक इसे हकीकत में उतारने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन पुर्तगाल की एक स्टार्ट-अप कंपनी ने इसे ज़मीन पर उतारने में सफलता हासिल की है और जल्द ही इसके लॉन्चिंग की तैयारी है। कंपनी ने इसका परीक्षण किया है, इसमें हवाई और सड़क यातायात के नियमों का ध्यान भी रखा गया है। इस कार में विमान की तरह तीन पहिए लगे हैं, इसके ऊपर हेलिकॉप्टर की तरह दो ब्लेड वाला फोल्डिंग पंखा है, जो कार को ऊपर लिफ़्ट करता है, और पीछे की ओर प्रोपेलर लगे हैं जो इस कार को हवा में आगे की ओर रफ़्तार देते हैं, सुरक्षा की दृष्टि से इसमें 100 हॉर्स पॉवर के दो इंजन लगे हुए हैं। यह कार हवा में 177 किलोमीटर प्रति घंटा और सड़क पर 161 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है। इसे सड़क से हवा में जाने में 10 मिनट का समय लगता है। इस कार में पायलट समेत दो लोगों के बैठने की जगह है। इसको चलाने के लिए आपके पास पायलट लाइसेंस होना चाहिए और कम से कम 25 घंटे उड़ान का अनुभव होना चाहिए। इसके बेसिक मॉडल की कीमत है - चार लाख डॉलर याने करीब 2.57 करोड़ रुपये।।

अब दिमाग से कन्ट्रोल कर सकेंगे कम्प्यूटर को?

फ़ेसबुक ने कहा है कि वह एक ऐसी तकनीक पर काम कर रहा है, जिससे आप अपने कंप्यूटर को अपने दिमाग से कंट्रोल कर पाएंगे या दिमाग से ही टाइप कर पाएंगे, इस सॉफ्टवेयर साइलेंट स्पीच की मदद से लोग 100 शब्द प्रति मिनट की स्पीड से टाइप कर पाएंगे। इस परियोजना के शुरुआती दौर में ऐसी तकनीक की जरूरत होगी जिसके जरिए बिना सर्जरी के दिमाग की तरंगों को पकड़ा जा सके। विचारों की डिकोडिंग फेसबुक की रेगिना डगन ने कहा - हम आपके विचारों को डिकोड करने की बात नहीं कर रहे हैं, आपके पास बहुत से विचार होंगे, आप उनमें से कुछ को साझा करने के लिए चुन सकते हैं, वो कहती हैं - हम उन शब्दों के मतलब को सामने लाने की बात कर रहे हैं, साइलेंट स्पीच के इंटरफेस में हर रफ्तार और उतार-चढ़ाव की आवाज को समझने की क्षमता होगी। रेगिना डगन फेसबुक की एक विशेष टीम बिल्डिंग 8 का नेतृत्व कर रही हैं, ये टीम फेसबुक के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में रिसर्च करती है, इस सोशल मीडिया कंपनी ने इस टीम में 60 वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को शामिल किया है। फेसबुक के संस्थापक मार्क ज़करबर्ग ने अपने पेज पर लिखा है - हमारा दिमाग़ हर सेकेंड इतना अधिक डेटा प्रोसेस करता है, जितना चार एचडी फिल्मों में होता है, उन्होंने लिखा है - दुनिया से जानकारी बाहर निकालने का सबसे बेहतर तरीका बातचीत ही है, लेकिन समस्या यह है कि दिमाग़ से केवल उतना ही डेटा भेजा जा सकता है जितना 1980 के मॉडम से भेजा जाता था। ज़करबर्ग ने लिखा है, हम एक ऐसी तकनीक बनाने पर काम कर रहे हैं जिसके ज़रिए आप अपने दिमाग से ही टाइप कर सकते हैं, इससे आप अपने फोन पर टाइप करने की स्पीड से करीब पांच गुना तेज़ टाइप कर पाएंगे। वे कहते हैं कि दिमाग से दी गई मामूली सी हां और ना जैसी कमांड भी ऑगमेंटेड रियलिटी ;असली दुनिया की जानकारी को कंप्यूटर की बनाई तस्वीरों के साथ दिखाने की तकनीक जैसी चीजों को ज्यादा प्राकृतिक बना देगी।

आ गया मलेरिया से लड़नेवाला पहला टीका

मलेरिया से लड़नेवाला पहला टीका वैक्सीन तीन देशों में साल 2018 में शुरू किया जाएगा। घाना, कीनिया और मलावी वो तीन अफ़्रीकी देश हैं जहां इस टीके का पहली बार इस्तेमाल होगा, आरटीएस, एस नाम का टीका रोग प्रतिरोधक तंत्र को मलेरिया के परजीवी पर हमले के लिए तैयार करता है। ये बीमारी मच्छरों के काटने से फैलती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ का कहना है कि इस टीके से दसियों हज़ार लोगों की ज़िंदगी बचाने की क्षमता है। लेकिन अभी ये स्पष्ट नहीं है कि दुनिया के सबसे ग़रीब इलाक़ों में इसका इस्तेमाल कितना कारगर रहेगा। इस टीके को चार बार देने की ज़रूरत होगी। तीन महीने तक हर महीने एक बार और फिर चौथी खुराक 18 महीने बाद, टीका विकसित करने में बहुत सख्त और खर्चीला क्लीनिकल ट्रायल किया गया, हालांकि अभी ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि दुनिया के वैसे हिस्सों में जहां स्वास्थ्य सेवाएं सीमित हैं, वहां इसका परीक्षण किया जा सकेगा या नहीं। यही वजह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन तीन देशों में ये देखने के लिए पायलट कर रहा है कि मलेरिया की रोकथाम का समग्र टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया जा सकता है या नहीं, इससे टीके की कामयाबी और सुरक्षा का भी पता लगाया जा सकेगा। अफ़्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर मात्सीडिसो मोएती कहते हैं, मलेरिया के टीके का आना एक बड़ी ख़बर है, पायलट प्रोजेक्ट से मिली जानकारी से हमें टीके के व्यापक इस्तेमाल संबंधी फ़ैसले लेने में मदद मिलेगी, इससे अफ़्रीका में दसियों हज़ार लोगों की जिंदगियां बचाना संभव हो सकेगा। पायलट में पांच से 17 महीने के बीच के 750,000 लाख बच्चों को शामिल किया जाएगा, इनमें से आधे बच्चों को टीका लगाकर असल दुनिया में इसके संभावित असर की तुलना की जा सकेगी।